

बिहार विधान सभा कायदा

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण ।
सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में सोमवार, तिथि ६ फरवरी, १९५३ को
पूर्वाह्न ११ बजे में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर ।

SHORT-NOTICE QUESTION.

NATIONALISATION OF TRANSPORT.

5. **Shri KRISHNA GOPAL DAS :** Will the Minister for Transport be pleased to state—

(a) if it is a fact that due to appointment of raw drivers recently in the Transport Department accidents are daily taking place; if so, how many accidents have so far taken place, since the nationalisation of transport in the State;

(b) the reason why expert drivers or experienced drivers have not been appointed;

(c) what better arrangement Government are considering for the appointment of drivers and conductors;

(d) how many new buses have since the nationalisation of transport arrived and how many are to arrive this year;

(e) how many drivers have been appointed and how many are still to be appointed this year and what is the method of such recruitment ?

Shri MAHESH PRASAD SINHA : (a) No raw driver has been appointed, so the question of accident occurring as a result of appointment of raw drivers does not arise. Four cases of very minor nature of the kind which used to occur in the past have so far been reported and they are all under police investigation.

(b) The answer is in the negative.

(c) Many people visit the office at Anisabad for appointment on their own accord without being called for. Drivers with a minimum experience of seven years of driving a transport vehicle and with clean records are being appointed after a personal interview by the General Manager and the Service Manager and this arrangement is considered to be satisfactory.

As to conductors, only matriculates or those who have at least read up to 10th class and have obtained a conductor's license are being appointed.

(d) 90 buses have so far arrived and 50 are more expected shortly.

(e) 132 drivers have been appointed so far.

Shri KRISHNA BALLABH SAHAY: (a) Except in certain areas lying in the Jamui Subdivision, the overall food situation in the Monghyr District is satisfactory.

(b) The following are scarcity areas this year in the Jamui Subdivision :—

(i) Sikandra P.-S. area (except circle nos. 5, 6, 13 and 14 and part of 11).

(ii) Part of circle nos. 11 and 12 and whole of circle nos. 17, 18, 21 and 22 of the Jamui P.-S. area.

(iii) Circle nos. 17 and 10 and portions of circle nos. 6 and 2 of the Lakshmipur P.-S. area.

(c) The matter is under Government's consideration.

NUMBER OF RELIEF SCHEMES COMPLETED IN THE YEAR 1952-53 IN JAMUI SUBDIVISION.

***177. Shri CHANDRA SHEKHAR SINGH:** Will the Minister in charge of the Revenue Department be pleased to state—

(a) the number of relief schemes taken up and the number of relief schemes completed in the year 1952-53 in Jamui Subdivision;

(b) whether Government consider the desirability of completing at least some of the incomplete schemes which are highly useful for irrigation and where the schemes have been stopped halfway;

(c) what steps will be taken regarding incomplete schemes in such areas which remain scarcity areas even this year and where relief is necessary?

Shri KRISHNA BALLABH SAHAY: (a) 375 relief schemes were taken up and 324 completed in the year 1952-53 in the Jamui Subdivision.

(b) Government have already issued instructions for completion of the relief schemes, which the District Officers consider necessary to be completed.

(c) The matter is under Government's consideration.

श्री चन्द्र शेखर सिंह—सरकार ने बताया (सी) के उत्तर में कि इस तरह का आदेश डिस्ट्रिक्ट आफिसरों को दिया गया है, तो क्या सरकार को जानकारी है कि उसके आदेश के अनुसार कहीं भी काम शुरू हुआ है?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—हमने कहा अभी इसकी खबर नहीं है।

श्री चन्द्र शेखर सिंह—(बी) में जो जवाब दिया गया है कि इस किस्म के रिलीफ स्कीम को कम्प्लीट किया जाय, तो उसके मुताबिक एक दो जगह भी स्कीम कम्प्लीट हुई है या नहीं?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—मेरे पास खबर नहीं है, लेकिन अगर आप चाहते हैं तो मैं इसकी जांच करूंगा।

ताड़ी से सरकार को आमदनी।

*१८५। श्रीमती सरस्वती चौधरी—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

- (क) ताड़ी से सरकार को वर्तमान समय में कितनी आमदनी है;
- (ख) गत वर्ष कितनी आमदनी थी;
- (ग) ट्री टैक्स एरिया में ताड़ी से ट्री टैक्स के अतिरिक्त भी कोई आमदनी होती है;
- (घ) ट्री टैक्स कानून में यदि नॉमिनल और फिक्स लाइसेंस फीस लगाने का कानून है तो डाक क्यों किया जाता है;
- (ङ) १९३७-३८ ई० में कैंटिन के साथ कितनी ताड़ी की दुकानें थीं और अब कितनी है?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—(क) आर्थिक वर्ष १९५२-५३ के दिसम्बर, १९५२ तक आमदनी ७६,७२,९५१ रु० थी;

(ख) आर्थिक वर्ष १९५१-५२ में आमदनी १४,३०,५८३ रु० थी;

(ग) ट्री टैक्स के अलावा ताड़ी के दुकान पर जो लाइसेंस लगायी जाती है उससे आमदनी होती है।

(घ) ट्री टैक्स के पद्धति के अनुसार नॉमिनल और फिक्स्ड प्राइसेज लगाने का प्रबन्ध नहीं है।

(ङ) ताड़ी की जो दुकानें हैं और जो कैंटीन्स होते हैं उन्हें मेन शोप की शाखा नहीं माना जाता है, मगर उन्हें अलग दुकान माना जाता है। इसलिए जो कैंटीन्स हैं उनके लिए अलग हिसाब रखा जाता है। सन् १९३७-३८ में जो ताड़ी की दुकानें की बन्दोबस्ती हुई थी उनकी संख्या ११,०६३ थी और सन् १९५२-५३ में उनकी संख्या १०,९१६ है।

श्री महावीर चौधरी—क्या माननीय मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि गत वर्ष और इस साल के ट्री टैक्स के आमदनी में कितना लॉस हुआ है?

अध्यक्ष—यह प्रश्न नहीं उठता है।

ताड़ी की दुकानों का ऐडभान्स फीस नहीं जमा किया जाना।

*१८६। श्रीमती सरस्वती चौधरी—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बतलाने की

कृपा करेंगे कि—

- (क) क्या यह बात सही है कि गया जिले में अनेक ताड़ी की दुकानों का ऐडभान्स फीस जमा नहीं हुआ है;